दिव्य बुद्धि

दुनिया में भाग्य की परिभाषा थोड़ी-सी अलग होती है। और भाग्य को लोगों ने अगर स्थूलता के आधार पर देखें तो चार आधार बनाये उसके। एक पहला सुख निरोगी काया माना तन का भाग्य, दूसरा मन का, तीसरा धन का और चौथा जन का। ये चारों भाग्य के पीछे सभी इस दुनिया में अपने-अपने तरीके से रहने की कोशिश करते हैं। उसको पल्लवित करते हैं, उसको पुष्पित करते हैं।

लेकिन परमात्मा ने हम सबको दिव्य बुद्धि प्रदान की है। वो दिव्यता आज के समय में पूरी तरह से कारगर है। दिव्य बुद्धि की सबसे बड़ी निशानी है कि व्यक्ति हमेशा राज़ी रहेगा। राज़ी किस बात में? कोई भी परिस्थिति में राज़ी रहेगा। कभी भी किसी भी बात में वो डिस्टर्ब नहीं होगा। क्योंकि जो व्यक्ति फुल टाइम मनन शक्ति के आधार से अपने जीवन को ज़िंदा रखता है। वो हर बात में ज्ञान की बातों से अपने आपको ठीक कर लेगा। कोई समझ की बात ला करके अपनी परिस्थिति को उसी अनुसार ढाल लेगा। गुह्य से गुह्य परिस्थिति, गुह्य से गुह्य राज़ों को वो अपने अन्दर समेटे हुए होता है। परमात्मा जब हम बच्चों को भाग्य दे रहे होंगे ये सोचने का विषय है, तो परमात्मा के इशारे और हम बच्चों के समझने के जो मायने हैं वो दोनों अलग-अलग हैं। परमात्मा कभी भी किसी बात को इंसिस्ट(ज़ोर देकर) करके नहीं कहता। और हम मनुष्यों की नेचर है, हम सोचते हैं कि कोई गैरन्टी करे। तो परमात्मा का आराम से बात करना भी गैरन्टी ही है लेकिन उस बात को कौन समझ पाता है जो दिव्य बुद्धि वाला होगा, मनन शक्ति वाला होगा, जिसके अन्दर आत्मा का बल होगा। ऐसी आत्मायें ही हर समय, हर पल, हर क्षण परमात्मा द्वारा अपने आपको सुरक्षित महसूस करेंगी। तो दुनिया में जो कर्मभोग आता है, रोग लगते हैं, परेशानियां होती हैं जिसमें बहुत लोग अपने आपको बहुत दुःखी करते हैं।

देखिए सुख क्या है, सुख उसे ही कहा जाता है जब व्यक्ति का सबकुछ ठीक चल रहा है, वो सुखी है तो बहुत बड़ी बात नहीं है। लेकिन उसका कुछ भी ठीक नहीं चल रहा है फिर भी अपनी मनन शक्ति के आधार से उसमें से अपने कल्याण की बात निकालकर अपने को खुश रखते हैं, ये उसकी दिव्य बुद्धि की कमाल है। और ये परमात्मा के, वरदाता के हम सबको बनाने का प्रमाण है कि हम सारे वरदानी हैं। हम कभी भी खाली अनुभव नहीं करेंगे। सदा अपने को सर्व खज़ानों से भरपूर करेंगे।

कहा जाता है कि जिस चीज़ की बार-बार चर्चा की जाती है वो चीज़ खूब बढ़ती चली जाती है। अगर कोई दुःख की चर्चा करेगा तो दुःख बढ़ जायेगा और अगर कोई सुख की चर्चा करेगा तो सुख बढ़ जायेगा। बीमारी की चर्चा करेगा तो बीमारियां और बढ़ती चली जायेंगी। उस कॉन्शियसनेस में हम, उस चीज़ को ठीक करने की बजाय और ज़्यादा लोगों को परेशानी में डाल देंगे। तो दुनिया में जो पहला सुख है ना तन का, उस सुख को भी हम संकल्पों के बल से प्राप्त कर सकते हैं। लेकिन कब जब हमारे पास दिव्य बुद्धि का वरदान होगा।

ऐसे एक छोटा-सा उदाहरण है कि हम सबको पता है कि इन सारी चीज़ों से समस्याएं होती हैं। फिर भी हम माया के प्रभाव से कहो या इस दुनिया के आकर्षण में इतना ज़्यादा आकर्षित हैं कि हमारा मन हमको कहता है कि खाओ। अब आप ये समझ लें कि जो चीज़ स्वास्थ्य के लिए खाई जाती है उसमें स्वाद नहीं होता। ऐसी पूर्ण मान्यता है और ये सत्य भी है। लेकिन जहाँ स्वाद है वहाँ स्वास्थ्य जायेगा लेकिन हम फिर भी खाते हैं। इससे सिद्ध होता है कि हमारी बुद्धि कलुषित बुद्धि है। कलियुगी बुद्धि है। अगर वो दिव्य बुद्धि होती, मनन शक्ति वाली होती, समझदार होती तो उन सारी चीज़ों को अवॉयड करती जिन चीज़ों से हमारा हेल्थ जाता है। तो इससे आप सबसे पहले चेक कर सकते हैं। बड़ी चीज़ों से चेक करने की ज़रूरत नहीं है। सबसे छोटी चीज़ें कि आज हमें जो चीज़ अच्छी लगती है खाने में, वो चीज़ निश्चित रूप से हमारे लिए अच्छी नहीं हो सकती। क्योंकि स्वादेन्द्रियों का स्वाद लेना और उसके अन्दर जाकर उसका सारा प्रोसेस करना दोनों में ज़मीन-आसमान का फर्क है। जिसने जैसा अपने टेस्ट को बनाया है वैसा उनका शरीर अभी भी चल रहा है। लेकिन अगर हम राजयोगी परमात्मा के बच्चे हैं, हमें मनन शक्ति, दिव्य बुद्धि का वरदान अगर परमात्मा ने हमें दिया है तो क्या हम हेल्थ को भी ठीक नहीं रख सकते! तो हेल्थ कॉन्शियस होने से पहले, हेल्थ के ऊपर काम करने से पहले, सबसे पहले अपनी मनन शक्ति से अपने इस शरीर के एक-एक अंग को हमें देखना होगा। देखना होगा का ये मतलब नहीं है कि हम देखते तो डेली ही हैं ऐसा नहीं है कि नहीं देखते। रोज़-रोज़ देखते हैं। लेकिन हमको इस अंग से सेवा करनी है। आँखों से सेवा करनी है, कान से सेवा करनी है, मुख से सेवा करनी है, हाथों से सेवा करनी है, पैरों से सेवा करनी है लेकिन जब ये अच्छे चलेंगे तभी तो कर पायेंगे ना! तो अगर खूब मनन करके हम इस चीज़ में कॉन्शियस हो जायें कि नहीं मुझे हेल्थ वाइज़ बहुत अच्छा रखना है, तो मैं सेवा में कभी भी विघ्न रूप नहीं बनूँगा। क्योंकि हेल्थ भी अगर हमारी डाउन होती है तो ये भी तो एक विघ्न का कारण बनता है ना! हमारे विघ्न आ जाते हैं हमारे सामने। अगर आज मेरी तबीयत ठीक होती तो मैं ये सेवा कर पाता। तो हर पल, हर क्षण हमको परमात्मा दिव्यता प्रदान कर रहे हैं लेकिन वो बढ़ेगी सिर्फ मनन शक्ति के आधार पर। तो परमात्मा की दी हुई दिव्य बुद्धि हम सबको वरदान है। और इसका प्रयोग करके हम हरेक पल, हरेक क्षण को सफल कर सकते हैं, सुजाग कर सकते हैं, और आगे बढ़ सकते हैं।

सोनीपत-हरियाणा। विधायक एम.एल. बड़ोली को आध्यात्मिक चर्चा के पश्चात् टोली(प्रसाद) खिलाते हुए ब्र.कु. प्रमोद बहन व ब्र.कु. सुनीता बहन।

मोतिहारी-बिहार। भूकम्प का सफल पुर्वानुमान करने वाले वैज्ञानिक उमेश कुमार वर्मा का सेवाकेन्द्र पर स्वागत एवं सम्मान करने के पश्चात् ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. विभा बहन। इस मौके पर ब्र.कु. अशोक वर्मा, अभियंता राज कुमार, ब्र.कु. सुनीता, ब्र.कु. अनिता, ब्र.कु. शिव पूजन तथा अन्य ब्र.कु. भाई-बहनें उपस्थित रहे।

मसौढ़ी-बिहार। जेल सुपरिंटेंडेंट ओंकार दत्त को ईश्वरीय संदेश देने के पश्चात् समूह चित्र में ब्र.कु. आभा बहन, ब्र.कु. सुरुचि बहन तथा अन्य।

बरानगर-कोलकाता(प.बंगाल)। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा आर.पी.एफ./मेट्रो रेलवे में 'स्ट्रेस एंड डिप्रेशन मैनेजमेंट' कार्यक्रम के पश्चात् ब्र.कु. किरण बहन व ब्र.कु. पिंकी बहन को मोमेन्टो देकर सम्मानित करते हुए एस.के. परी,आई.जी. व अमरेश कुमार,डी.आई.जी.।

राघोपुर-बिहार। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल(एनडीआरएफ) के कमाण्डर राजन सिंघा एवं जवानों को ईश्वरीय संदेश देते हुए ब्र.कु. बबिता बहन। साथ हैं ब्र.कु. संगम बहन, ब्र.कु. किशोर भाई तथा अन्य।

कोरापुट-ओडिशा। शिक्षक दिवस पर कार्यक्रम में सम्मिलित सभी शिक्षकों को सम्मानित करने के पश्चात् समूह चित्र में ब्र.कु. स्वर्णा बहन।

नेपाल-महेन्द्रनगर। कंचनपुर जिले के आर्मी कैम्पस में आर्मी ऑफिसर्स एवं जवानों को परमात्म संदेश देने के पश्चात् समूह चित्र में ब्र.कु. पूनम बहन, ब्र.कु. महिमा बहन तथा अन्य ब्र.कु. बहनें।

धरी-गुज.। जन्माष्टमी पर आयोजित चैतन्य झाँकी के साथ ब्र.कु. भारती बहन तथा अन्य ब्र.कु. बहनें।

बीदर-कर्नाटक। आध्यात्मिक कार्यक्रम के पश्चात् समूह चित्र में बंदेप्पा खशेमपुर,एम.एल.ए.,बीदर,साउथ, एस.एस. कादरी,कर्नाटक स्टेट जनरल सेक्रेट्री जे.डी.,साउथ, रमेश पाटिल सोलपुर,डिस्ट्रिक्ट प्रेसीडेंट जे.डी.,साउथ, अबिद अली,डिस्ट्रिक्ट यूथ वाइस प्रेसीडेंट जे.डी.,साउथ, राजयोगिनी ब्र.कु. सुमंगला बहन, ब्र.कु. सुनंदा बहन,संचालिका,शिव शक्ति भवन,रामपुरे कॉलोनी तथा अन्य।

जबलपुर-कटंगा कॉलोनी(म.प्र.)। इंजीनियर्स डे के अवसर पर पेज़अप सॉफ्टवेयर सर्विसेज़ प्राइवेट लिमिटेड में कार्यरत आई.टी. इंजीनियर्स के लिए ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा आयोजित 'ईज़ी मेडिटेशन फॉर बिज़ी इंजीनियर्स' कार्यक्रम के पश्चात् समूह चित्र में कंपनी के डायरेक्टर अनूप राय, नेहा राय, ब्र.कु. विनीता बहन, ब्र.कु. पूजा बहन तथा प्रतिभागी इंजीनियर्स।